हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ़

(तिथि 05 जनवरी 2026, समय 13:05(5 मिनट)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि पिछली कई सदियों में सोमनाथ मंदिर पर हुए हमलों के बावजूद मंदिर, भारतीय सभ्यता की आत्मा के जीवंत उदाहरण के रूप में शान से खड़ा है। देश की शाश्वत परंपरा का प्रतीक सोमनाथ मंदिर गुजरात राज्य के पश्चिमी तटीय इलाके प्रभास पाटन में स्थित है।श्री मोदी ने कहा कि यह वर्ष इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि आज से एक हजार वर्ष पूर्व विदेशी आक्रांताओं द्वारा सोमनाथ मंदिर पर पहला हमला किया गया था। प्रधानमंत्री ने स्मरण कराया कि वर्ष 1026 जनवरी में सभ्यता और विश्वास के दृढ़ प्रतीक, सोमनाथ मंदिर पर महमूद गजनी ने पहली बार बर्बर आक्रमण किया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि सोमनाथ शब्द सुनते ही देशवासियों के मन में अद्भुत साहस और गर्व की अनुभूति होती है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ मंदिर की कहानी सिर्फ एक कथा ही नहीं है बल्कि ये भारत माता की अनगिनत संतानों के अटूट साहस का प्रतीक है जिन्होंने देश की सभ्यता और संस्कृति की रक्षा की है।सोमनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार में योगदान देने वालों के प्रयासों की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2026 में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल होगी, जब जीर्णोद्धार के बाद मंदिर भक्तों के लिए खोले जाने के 75 वर्ष पूरे हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि मई 1951 में तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में जीर्णोद्धार किया गया सोमनाथ मंदिर, एक बार फिर खुल गया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद सोमनाथ के पुनर्निर्माण का दायित्व, सरदार वल्लभभाई पटेल को सौंपा गया था। श्री मोदी ने बताया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू इसके पक्ष में नहीं थे और वे नहीं चाहते थे कि शीर्ष संवैधानिक निकाय इससे जुड़ें। उन्होंने कहा कि इस घटना ने भारत की छवि को धूमिल किया, लेकिन डॉ. राजेंद्र प्रसाद दृढ़ रहे और उसके

बाद जो हुआ वह इतिहास है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमनाथ और काशी विश्वनाथ सहित देश भर के कई मंदिरों के जीर्णोद्धार में अहिल्याबाई होल्कर की भूमिका की सराहना की। उन्होंने स्वामी विवेकानंद की 1890 के दशक में सोमनाथ यात्रा को याद किया और उनके 1897 के चेन्नई व्याख्यान का संदर्भ दिया और श्री विवेकानंद ने कहा था कि सोमनाथ जैसे मंदिर, भारत के इतिहास और आत्मा के बारे में कई पुस्तकों से कहीं अधिक जानकारी देते हैं।

भारत ने चीन को पीछे छोड़ते हुए विश्व का सबसे बड़ा धान उत्पादक देश बनने का गौरव हासिल किया है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कल नई दिल्ली में यह घोषणा की।

चावल के उत्पादन में भारत ने चीन को पीछे छोड़ दिया है। हम नंबर वन बन गए। इस साल हमारा उत्पादन 150.18 मिलियन टन और चीन का 145.28 मिलियन टन। ये चीन को पीछे छोड़ना, एक असाधारण उपलब्धि है। हमारी खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करके, हमने अन्न के भंडार भर दिए हैं

श्री चौहान ने कहा कि अधिक उपज वाली फसलों के विकास में देश को बड़ी सफलता मिली है। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि ये नई प्रजातियां जल्दी से जल्दी किसानों तक पहुंचे। कृषि मंत्री ने कहा कि इनसे किसानों को अधिक उपज और बेहतर गुणवत्ता की फसल प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने आज पलवल में रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन कैम्प परिसर में सरकारी डिस्पेंसरी का शुभारंभ किया।

खेल मंत्री ने डिस्पेंसरी में उपलब्ध करवाई जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं, नियमित ओपीडी, प्राथमिक उपचार, दवाइयों की उपलब्धता और टीकाकरण जैसी सुविधाओं

की जानकारी देते हुए कहा कि डिस्पेंसरी में योग्य स्टाफ की तैनाती की गई है ताकि मरीजों को समय पर उचित उपचार मिल सके।

श्री गौतम ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता आम नागरिक तक सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। इस डिस्पेंसरी के शुरू होने से क्षेत्र के बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को विशेष रूप से लाभ होगा।

विदेश सहयोग विभाग की प्रधान सचिव श्रीमती अमनीत पी कुमार ने कहा है कि विदेश में जा कर नौकरी करने के इच्छुक युवाओं को जर्मन, जापानी, अंग्रेजी, फ्रेंच आदि भाषाएं सिखाने के लिए कोचिंग दी जाएगी। इसके लिए विदेशी भाषा नीति जल्द अमल में लाई जाएगी जिसके तहत प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर केंद्र खोले जाएंगे, जिनमें से एक केंद्र करनाल में खोला जाएगा।उन्होंने बताया कि फरवरी में यूनाइटेड किंगडम के साथ एक कार्यशाला का आयोजन भी किया जाएगा।

हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग द्वारा नए वित्त वर्ष की बिजली दरों को लेकर 8 जनवरी को पंचकूला स्थित आयोग के कोर्ट रूम में जनसुनवाई आयोजित की जाएगी।